पाठ–1

चाचा की शादी

चाचा का जब ब्याह रचाया,
मेहमानों को न्योता भिजवाया,
घर आये सब रिश्तेदार,
भरा–पूरा अपना परिवार,

दिल्ली से मामा–मामी आए,
संग में नाना–नानी आए,
साड़ी, बिन्दी, चूड़ी–लहठी,
कई सौगातें भेंट में लाए।

फूफा–फूफी, मौसा–मौसी,
बहुत दूर से आए हैं,
साथ में अपने प्यारे–प्यारे
बच्चों को भी लाए हैं।

दादा–दादी के क्या है कहने,
उनके हम सब प्यारे अपने,
माँ–पिताजी खुश हैं कितने,
रिश्तेदार जब आये इतने।

अब बताइए :

1. इस कविता में कौन–कौन से रिश्तों का नाम आया है?

   ....

   ....

2. क्या आप किसी शादी में शामिल होने घर से बाहर गए हैं? किसकी शादी में और कहाँ?

   _____

3. वहाँ आपके कौन–कौन से और रिश्तेदार आए थे? सूची बनाइए।

   ....

   ....

4. कौन–कौन से ऐसे मौके हैं, जब आपके घर बाहर से रिश्तेदार आते हैं?

   ....

   ....

5. मिलाइए :

नाना	फुआ के पति
मामा	मौसी के पति
चाची	माँ के पिता
ताऊ	चाचा की पत्नी
मौसा	माँ का भाई
फूफा	पिता के बड़े भाई

6. कविता के अनुसार रिश्तों को भरिए :–

दादा	दादी

आस्था और आकाश भाई–बहन हैं। दोनों बहुत खुश हैं। आज उनकी फुआ अपने बच्चों के साथ घर आई है। आस्था और आकाश ने फुआ के पाँव छुए। फुआ ने प्यार से आकाश को गोद में उठा लिया।

आस्था के चाचाजी की शादी पाँच दिनों के बाद है। घर में जोर–शोर से शादी की तैयारी चल रही है।

दादाजी पड़ोसियों को निमंत्रण देने के लिए कार्ड पर नाम लिख रहे हैं। आकाश और आस्था एक–एक कार्ड उनके हाथ में दे रहे हैं।

दादाजी ने पूछा– 'आस्था और आकाश, तुम लोग भी किसी को निमंत्रण दोगे?'

दोनों ने अपने मित्रों का नाम एक कागज पर लिखकर दादाजी को दे दिया। दादाजी ने मुस्कुराते हुए उनके नाम कार्ड पर लिख दिए।

अगर आपके घर में शादी होगी तो आप किन–किन मित्रों को बुलाना चाहेंगे? उनके नाम लिखिए।

....

....

देखते–देखते शादी का दिन आ गया। आज बारात जाएगी। घर में काफी भीड़ है। सब लोग इधर–उधर, भाग–भागकर अपना–अपना काम निबटा रहे हैं।

बारात निकली। धूमधाम से शादी हुई। आस्था और आकाश की चाची घर आई। घर में सभी बहुत प्रसन्न हैं।

दादीजी ने खुश होकर कहा– ''कितना अच्छा और बड़ा है– हमारा परिवार।''

आस्था बोली– ''दादीजी यह परिवार क्या होता है?''

दादीजी हँसते हुए बोली– ''जब घर में माता–पिता, उनके भाई–बहन, दादा–दादी एवं बच्चे एक साथ रहते हैं तो उसे परिवार कहते हैं। अपने परिवार में – ''मैं, तुम्हारे दादाजी, माँ–पिताजी, चाचा–चाची एवं तुम सभी भाई–बहन हैं। हम सब के साथ–साथ रहने के कारण सभी लोग एक–दूसरे के सुख–दुःख में काम आते हैं।''

बताइए :

1. **आपके परिवार में कौन–कौन हैं? उनके नाम तथा उनसे आपका क्या रिश्ता है? लिखिए।**

क्र.सं.	नाम	रिश्ता
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

2. **आप माँ एवं पिताजी की तरफ के रिश्तों के नाम लिखिए –**

	माँ से संबंधित	पिता से संबंधित
क्र.सं.	नाना	दादा

3. आपके मामा का बेटा आपकी माँ का क्या लगेगा?

.....

4. आपकी फुआ की बेटी आपके पिताजी के क्या लगेगी?

.....

5. आस्था की चाची शादी के बाद और किन–किन नए रिश्तों के नाम से जानी जाएगी?

....

....

6. नीचे की पहेली से रिश्तों के नाम ढूँढ़कर खाली स्थानों में लिखिए। लगातार क्रम में आ रहे अक्षरों का दुबारा प्रयोग कर सकते हैं।

ब	दे	भा	न	जा
ह	च	भी	पो	ता
न	र	मौ	सा	ब
ना	जे	सी	मा	ह
ती	ठ	पि	ता	नो
न	न	द	भा	ई

....

....

....

....

....

....

CCC